

प्रेस विज्ञप्ति

"ट्रम्प की शुल्क नीति के प्रभाव पर भारत का दृष्टिकोण" विषयक कार्यशाला

मर्चेन्ट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की फिस्कल कमिटी द्वारा "ट्रम्प टैरिफ: इम्पैक्ट ऑन इंडिया एंड जिओपॉलिटिक्स" विषय पर एक विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में प्रमुख वक्ता रहे प्रो. विमल कुमार (आई.आई.टी. कानपुर) थे।

सत्र का संचालन सीए शिवांश मेहरा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत एमसीयूपी के पूर्व अध्यक्ष श्री अतुल कानोडिया द्वारा मुख्य वक्ता को प्लॉटर भेंट कर की गई। स्वागत भाषण फिस्कल कमिटी के चेयरमैन सीए अनिल के. सक्सेना द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने विषय की समसामयिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बी. के. लाहोटी, पूर्व अध्यक्ष, एमसीयूपी द्वारा प्रो. विमल कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

प्रो. कुमार ने बताया कि अमेरिका की "अमेरिका फर्स्ट" नीति और शुल्कों में वृद्धि के कारण वैश्विक व्यापार संतुलन प्रभावित हुआ है, जिससे भारत पर भी आर्थिक असर पड़ा है। विशेष रूप से कपड़ा, रत्न और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के निर्यात में प्रतिस्पर्धा घटी है।

हालांकि, चीन और मैक्सिको जैसे देशों पर अमेरिकी शुल्कों के चलते भारत को फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में अवसर मिल सकते हैं। भारत सरकार सक्रिय वार्ता और रणनीतिक उपायों के माध्यम से इन चुनौतियों का समाधान तलाश रही है।

ट्रेड वार्ता में अमेरिका जहां कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों में पहुंच चाहता है, वहीं भारत श्रम-प्रधान क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा चाहता है। अमेरिका से अब तक कोई औपचारिक अधिसूचना नहीं मिली है, जो संभावित कूटनीतिक संवाद की ओर संकेत करता है।

भू-राजनीतिक दृष्टि से, यह नीति आर्थिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा देती है और बहुपक्षीय व्यवस्था को चुनौती देती है। भारत को ब्रिक्स और अमेरिका के साथ संतुलित रणनीति अपनानी होगी।

इस सत्र का उद्देश्य ट्रम्प की टैरिफ नीति के आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्रभावों पर चर्चा कर भारतीय उद्योग और नीति-निर्माताओं को जागरूक करना था।

कार्यक्रम के अंत में एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सीए सुधींद्र जैन द्वारा सत्र की समापन टिप्पणी प्रस्तुत की गई।

धन्यवाद प्रस्ताव सीए अतुल मेहरोत्रा द्वारा दिया गया, जिन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर मुकुल टंडन, मनु अग्रवाल, राजेश मेहरा, राहुल चंद्रा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आपसे अनुरोध है कि उक्त को अपने समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित करें।